



घा. स न सिद्ध नामा न क वृद्धा ॥ अ दृष्टा म स्म ग्म न संख पा नः
 नामा य व नु म घा व रु म दि न द्वा २ त सि वं न स्म ग्म न क न डः
 वृद्धा घु नि क म घा. म द्वा य म नामा त घा न ध क स्म ग्म न य रु क
 वृद्धा म न न नामा य न न न म घा २ कि नि १ वा न ज रु न वृद्धा.
 कृ ति क नामा व र न म घा ॥ द्वा द श गु जा द्वा द श गु व ना व रु रु क
 व द ना द्वा द श न य ना २ रु न यि क धू पा ना ख रु स न्ध न. क

ॐ नमः शिवाय नमः शिवाय नमः
रधवननसः धामय ॥ १ ॥ क
रकमनवननः समदिय ॥ २ ॥
रसदुमुवननः समसुनर ॥ ३ ॥
रसमाधिगुनः मद्यय ॥ ४ ॥
रसुसनिनमनः किनन ॥ ५ ॥
रदुधधनः तथया ॥ ६ ॥
रकनननसः मदिगरविन
रधममननः खिगुवननरुय
रकुनिसकनः सन्यरनिर
रथीवडासन्धः यनभागुन ॥
धमादुयासु ॥ १ ॥ गकास
मंका ॥ २ ॥ न्यनूकनाकिमि
दिन ॥ ३ ॥ जिनासुन
नमासिना ॥ ४ ॥ निम्य
मागद ॥ ५ ॥

निपूवाययिवन ॥ ६ ॥

य ॥ १ ॥
॥ २ ॥
मका ॥ ३ ॥ जा
या ॥ ४ ॥ क
न ॥ ५ ॥ जा
कु विमं ॥ ६ ॥ क
॥ ७ ॥ जा
मिमं ॥ ८ ॥ क
रुयं ॥ ९ ॥ जा
मि ॥ १० ॥ क
॥ ११ ॥ जा
॥ १२ ॥
॥ १३ ॥
॥ १४ ॥
॥ १५ ॥

२ स रु ऊ सी ॥

अ २ वृ स म उ द क म वृ ना स न क म वा . डि न वृ न स म या ३ वा
र्य प दं १ स नु ५ ५ न द य न स न दू प . द भ व न ग गि य द हा
भ व नं १ स म यु न व न न क म नृ प भ द . प्रा पि त आ न नु मः
हा स र्वं १ रु न नि यि थ म ति स नि ना स त न . पु न मा मि स रु जा
सु न नु वा ॥ ध्र ॥ वा ग भं गा न मा न धी ॥ ना न अ न मा ॥ स द रु
स न न र द न व न या . ति तु व न ना थ द दि वि वा सा ॥ उं ऊ यि

मा ३

२ को न यि ॥

अ म हा न स गु म्हा रि ष्य क . क म न वृ मि स गं जा ग सं हा वृ हा
न भ व नृ पि षी द वी वि भ व व्या पि नी . कि द नि व म ना म हा सः
ख दा २ उ म्हा ष्य ग ना दि न द्वि या प यि स्य १ प्रा न वि नु व रुः
रु दि या ग य हं . सु नृ प भ द अ न रु न कि या . द दि म ग न स
सा न स म उ ॥ ध्र ॥ वा ग का न यि ॥ ना न अ न मा ॥ का न यि
भ थि उ वा ना २ म म नि न कं का ना २ घ न का पि थि उ वा ना २

कनूनीकियासिननाना॥ ध्रु ॥ मययाऊकून्नुववाऊयिया२
निंदिवाऊयियावऊयिया२ गदिवावखाऊयिमाध्व२ मयना
वावनयायिया२ हनिंकासिऊवसात्रिऊत्र२ इन्नुववाऊयिया
यिया० वउसमकलुनिमिना० कयनवावनयायिया२ सात्रिः
यायिधनसात्रिऊत्र२ गदिवावखाऊयियायिया२ पुषन० क
नकनन० सुखासुखनमनियायिया० निनसुदजंगमदा

रुद्रिपत्रपमथनि॥

वयिया२ गदिंऊसवावनयुनुसामिया॥ ध्रु ॥ नागधंमानमा
नशी॥ मानमनमा० निपनयमथनि० नविनुकुनीधि२ दमां
आनिगंमं नमधंमा० ध्रु ॥ हदिकुलसिनमाउदिनस
नाहि२ अनूदममं दकीदनि० यागी२ गदिनसात्रिनिः
शीघ्रसगंमि२ नविनयवनेयुनिनसकु२ ननुनुकीनध
यिनकुनि२ गइलवनीवाउयाययियंख२ वनसकवः

२४३५॥

[illegible]

ASIAN ARCHIVES

2868

工

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

दनगनरुधतयिगा नूनास्यामववननवज थपिया न २ यव्याविं
 न्यासितविधमयपूजिगाः पुनमासिवजसत्त्वसि वसाद्धिगा ॥ ध
 ॥ वागसधमना ॥ ता नरुजमान ॥ सभनय हं उककमननियः
 वज नः सखपूव नज नज व न २ यरु विनदिमनिभायनलो
 निः अरु क न नरुग विनगति ॥ व ॥ ठं आ ४ हं हं ४ उं आ ४ हं
 हं उं आ ४ हं ४ उं आ ४ हं ॥ म उ मा नव्या द्युवर्मः उ वि नख नमः

आहं हं का न हि ख न व न २ क नि न वू नि भ घं ७४ म ड र्क न दि
 उ डं द नू क आ ति ग व ति ध प दं २ वि श्व वि य क ति य नू व
 व नु न न सं ख नू ख नू हा दि य ना द व न २ द ग दि ग व नू भा
 दि नू मा न वि नू ग व नू वि व क हि ख न व द म खं २ स म स म स
 स द व धि य ना दि नू मा क नू ग व स म न नु व नू अ व ध व ४ प
 यि स द ड णी स नू व नू अ नू र्क न ग ग व स म न नु व ॥ ध ॥

२२५ धन ॥

नागुमधुमना ॥ तावज्या ॥ वज्रधनयं ववृद्धमनिवत्रवायास्त
ऊमास्तनयपुत्रसमृद्धा ॥ मधुस्तनयार्थनासाऊर्ध्वनि ॥ खमिवरा
वस्वतावसमा ॥ ध्रु ॥ सासातवज्रस्तनयपुत्रयुद्ध ॥ महासमुद्र
स्तनयानामि ॥ सिद्धास्तनयस्त्रिगुणयुद्ध ॥ वन्दुनश्निवधु ॥ अ
हिमथस्तनयस्तनयानि ॥ नत्वाध्वकपितवधु ॥ ददिनवमद
कनकाध्वनधुविनाडिना ॥ महासमुद्रमुनिस्तनयस्तनयस्तनय ॥

॥

२२६ धन ॥

निकददिमतिद्विद्विद्वि ॥ धर्मवज्रिभक्तवर्धुमयुगास्तनयि
न ॥ ध्यानमज्ञाधनअम्बनाथा ॥ स्तनयाननम ॥ साधयस्तनयप
मिसंनदकनका ॥ कर्मवज्रिजिनवननश्चयमज्ञाधन ॥ गनूज
स्तनयिस्तनयना ॥ नत्वाध्वनविस्तानसिद्धिवन ॥ महासमुद्र
स्तनयानामि ॥ ध्रु ॥ नागहर्षनि ॥ तावज्या ॥ यवदिगं व
नवन्दागनसम्बान ॥ दवीवन्नायधीदं सासनी ॥ हं नवमहा

॥ गंधा ॥

कामगलपनिवृत्तमाना विनक्षययानजदजदली ॥ यजि यान
 मम अनिवसि नृधि नानोषष्टिरागिणीमारुगनान इतुवन
 श्री अष्टस्मभानु नयनपियगला ॥ ध्रु ॥ उत्तरदिगां वन
 कामाक्ष्यस्मभान दवी नृजायनिवृषवाहनि ॥ ध्रु ॥
 अष्टनकां किमि किनास्मभान दवी कामात्रिमयग्रासली
 ध्रु ॥ नेमयकां नृशिवर्षस्मभान दवी वैश्वविगननृदा

२३७ पत्रा ॥

सनी ॥ ध्रु ॥ दक्षिणदिगां वनक्षयकस्मभान दवी वा
 नादिमदिहनि ॥ ध्रु ॥ पश्चिमदिगां वनमृददागस्मभान
 दवी वृन्दायनीगजवाहली ॥ ध्रु ॥ वायवकां नृकनं कन
 स्मभान दवी वामपुत्रायनासनि ॥ ध्रु ॥ वृन्दाभानकां नृगं
 दनस्मभान दवी मलानश्विमिंदामनी ॥ ध्रु ॥ नागगंभी
 नृमावणी ॥ नावदृष्टना ॥ नमस्कृत्ताका नृननृवधनृश

२६
३५
३५
३५

कृमिस्तत्त्वउवाचननना॥ ननाहं२ननाहं२धवनसुसं
मिनिददधन२सुनयसुसादियंकावननना॥ ध्र ॥ दं दः
आसिंनगजगधन२वजघल्लामडावयमनमि॥ ध्र ॥
मायाविददविनजंग२सादियवजसुसुचयनमधन॥ ध्र
॥ वागमधमना॥ नानदुऊमाना॥ विवकनसुविमसिमधुस
माड॥ क्लिनिआननुमननिधना२वजवाजादिआविगः

नसम्बन॥ नानावसिमदाकावा॥ ध्र ॥ ननाहं४हंननाहं४
ननाहं४हं४॥ नीनवधूचतुवकयमिमुखविन्यउः
न॥ यनमाननुमननिधना२विषववजअध्वनुजनादाम
कूतधन॥ दादआहननसुसाहिता२वजघंल्लगजयमदः
मनखदांगधन॥ विनमाननुमननिधना२कननिकयावः
यनसुयादामधन॥ निधुसुवमसिधन२दिगंविदिगंः

का कात्यादिजमयादियात्रः सदजा नंदमन्त्रिधवा रनमुमि
धीवकुसुम्वनसनयुनवननआनाधिना॥ ध्रु ॥ वामर्गंध
नहेनवि॥ ना नऊनि॥ उं आ ४ ईं रुं टूं अ न ह्वा दा मनु वि
सरवउवा न स २ य जाय जि न य ज सं ता वा म न्व सा न्य त व
तु न॥ ध्रु ॥ खरखखादियात्रममअ निवत्रियजात्रेद्यः
घद्यानय २ विष्टुद न घै कामियात्रमघं चणहसिन न प

व ह्यनसर्ववन्तिना २ सर्वयद्वा द्वा सत्तु नयु न ४ विहा
नययस्मान्न २ द्वा कदाकि निइयि मृष्ट स्रव्धानं ०० नुव
सिगृह्ण २ तु न २ समया न दत्तु दानयमि नः सर्वसखसंयः
दाग्मन्ति न २ द्वा थवद्वा थवत्तु ३ थपिवथ नः ३ यु ० माः
निकाहवत्तु २ दानयमि सर्वकार्यसिद्धि नः मन्ना नथ सर्वः
सखयदहा मि न २ आ न संसा न मथ म न व नः सा दायं का न र